फ्रैंसिस के लिए

ब्रैड और जैम

फ्रैंसिस के लिए ब्रैड और जैम

नाश्ते का समय था,
और सब मेज़ पर बैठे हुए थे.
पिता अंडा खा रहे थे.
माँ अंडा खा रही थी.
ग्लोरिया ऊँची कुर्सी पर बैठी थी और
वह भी अंडा खा रही थी.
फ्रैंसिस ब्रैड और जैम खा रही थी.
“कितना स्वादिष्ट अंडा है!” पिता बोले.
नाश्ते में कोई चीज़ अगर मुझे अच्छी लगती है
तो वह है आधा उबला अंडा.”
“हाँ,” नन्हे बच्चे के लिए चम्मच से अंडा उठाते हुए मां ने कहा,
“दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए यह सबसे बढ़िया चीज़ है.”
“अह!” ग्लोरिया ने कहा और अपना अंडा खा लिया.
फ्रैंसिस ने अपना अंडा न खाया.
वह एक गीत गाने लगी.

उसने बड़ी धीमी आवाज़ में गीत गाया:

मुझे अच्छा नहीं लगता फिसलते हो तुम जिस प्रकार,
मुझे अच्छा नहीं लगता तुम्हारा मुलायम अन्तर्भाग,
मुझे अच्छा नहीं लगता तुम्हारा कोई भी प्रकार,
और कई दिन बिता सकती हूँ मैं
अंडे खाये बिना.

"तुम ने क्या कहा, फ्रैंसिस?" पिता ने पूछा.

"कुछ भी नहीं," ब्रैड के एक स्लाइस पर जैम लगाते हुए फ्रैंसिस ने कहा.

"तुम ब्रैड और जैम ही क्यों खाती रहती हो?" पिता ने पूछा, "जबकि एक स्वादिष्ट आधा उबला अंडा तुम्हारे पास है."

"ब्रैड और जैम खाने का एक कारण है," फ्रैंसिस बोली, "कि वह मेरे चम्मच से अजीब ढंग से फिसल नहीं जाता."

“हाँ, निस्संदेह,” पिता ने कहा, “हर किसी को नाश्ते में आधा उबला अंडा अच्छा नहीं लगता. लेकिन अंडा तो कई प्रकार से बनाया जा सकता है. अध-पका अंडा सीधा परोसा जा सकता है और उलटा भी.”

“सच है,” फ्रैंसिस ने कहा. “लेकिन अध-पका अंडा प्लेट में सीधा रखो तो वह हमारी ओर बड़े अनोखे ढंग से देखता है और अगर उलटा रखो तो वह पेट के बल लेटे-लेटे प्रतीक्षा करता रहता है.”

“अंडे की भुर्जी अच्छी नहीं होती क्या?” पिता ने कहा.

“अंडे की भुर्जी काँटे से फिसल कर मेज़ के नीचे चली जाती है,” फ्रैंसिस ने कहा.

“मुझे लगता है कि तुम्हारा स्कूल जाने का समय हो गया है,” माँ ने कहा.

फ्रैंसिस ने अपनी किताबें, अपना लंच बॉक्स और अपनी कूदने की रस्सी उठा ली.

फिर उसने माँ और पिता अलविदा कहा और बस-स्टॉप की ओर चल दी.

बस की प्रतीक्षा करते हुए वह रस्सी पर कूदने और गाने लगी:

बिस्किट पर जैम और टोस्ट पर जैम,
सबसे अधिक मुझे पसंद है जैम.
जैम है चिपचिपा, जैम है मीठा,
जैम है स्वादिष्ट, जैम है अच्छा,
रसबरी, स्ट्राबरी, गूसबरी, मुझे
तो....बहुत....पसंद....है....जैम!

उस रात माँ ने खाने में ब्रैड और माँस के कटलेट बनाये,
साथ में थे लोबिया और भुने हुए आलू.
“अह!” पिता ने कहा, “खाने में ब्रैड और माँस के कटलेट से
अधिक स्वादिष्ट क्या हो सकता है!”
“यह बढ़िया व्यंजन है, क्यों है न?” माँ ने कहा.
“लोबिया भी खाओ, ग्लोरिया.”
“ओह!” ग्लोरिया ने कहा और लोबिया खाने लगी.
वह पहले ही रात के खाने में माँस और शकरकंदी खा चुकी थी.
लेकिन जब भी अवसर मिलता लोबिया खाने का अभ्यास करना
उसे अच्छा लगता था.

“ब्रैड और माँस के कटलेट कैसे बनते हैं?” फ्रैंसिस ने पूछा.
“और लोबिया को लोबिया क्यों कहते हैं?”
“हम इस के बारे में फिर कभी बात कर सकते हैं,” पिता बोले.
“अभी तो भोजन करने का समय है.”
फ्रैंसिस ने अपनी प्लेट की ओर देखा और गाने लगी:

ब्रैड ओढ़ने से पहले कटलेट ने था क्या पहना?
फ्लैनल का नाइटगाउन या कॉउबॉए के बूट?
फर्र की जैकेट या नाविक का सूट?

फिर उसने ब्रैड पर जैम लगाया और खाने लगी.
“वह कुछ भी नया नहीं खाती,” माँ ने पिता से कहा.
“वह सिर्फ ब्रैड और जैम ही खाती है.”
“अगर तुम कोई अन्य चीज़ खाने की चेष्टा ही न करोगी तो तुम्हें कैसे पता चलेगा कि वह तुम्हें अच्छी लगती या नहीं?” पिता ने पूछा.
“हाँ,” फ्रैंसिस ने कहा,
“खाने के लिए कई प्रकार की चीज़े हैं और उनके स्वाद अलग-अलग हैं.
लेकिन जब मैं ब्रैड और जैम खाती हूँ तो मुझे हमेशा
पता होता है कि मैं क्या खा रही हूँ और मुझे सदा अच्छा लगता है.”
“स्कूल में तुम लंच में नई चीज़े खाती हो,”
माँ ने कहा. “आज मैंने तुम्हें चिकन-सलाद
सैंडविच दिया था.”

“तो, बताओ,” पिता ने फ्रैंसिस से कहा.
“क्या वह अच्छा नहीं था?”
“पर,” फ्रैंसिस बोली, “ मैंने वह अलबर्ट से बदल लिया था.”
“और उसके बदले अलबर्ट से क्या लिया?” पिता ने पूछा.
“ब्रैड और जैम,” फ्रैंसिस ने कहा.

अगली सुबह नाश्ते के समय पिता बैठे और बोले, “यह तो बहुत अच्छा नाश्ता है! ताज़ा संतरे का रस और टोस्ट पर उबला अंडा. यह होता है बढ़िया नाश्ता.”

“धन्यवाद,” माँ ने कहा.

फ्रैंसिस उबले हुए अंडे का गाना गाने लगी:

टोस्ट पर बैठे उबले अंडे, क्यों काँप रहे हो तुम
ऐसे लगता मुझको जैसे हाँफ रहे हो तुम.

फिर उसने नीचे देखा और पाया कि
उसके टोस्ट पर उबला अंडा नहीं रखा था.

“मुझे उबला अंडा नहीं दिया,” फ्रैंसिस ने कहा.

“संतरे के रस के अतिरिक्त मुझे कुछ नहीं दिया.”

“मुझे पता है,” माँ ने कहा.

“ऐसा क्यों?” फ्रैंसिस ने पूछा.

“सब को उबला अंडा मिला है.
ग्लोरिया को भी उबला अंडा मिला है, और वह तो अभी छोटी बच्ची है.”

“लेकिन तुम्हें अंडे अच्छे नहीं लगते,” माँ ने कहा,
“इसलिए मैंने तुम्हारे लिए अंडा नहीं उबाला.
अगर तुम्हें भूख लगी है तो ब्रैड और जैम खा लो.”

तो फ्रैंसिस ने ब्रैड और जैम खाया और स्कूल चली गई.

जब लंच पीरियड की घंटी बजी तो
फ्रैंसिस अपने मित्र अलबर्ट के पास आकर बैठ गई.
“आज तुम क्या लाये हो?” फ्रैंसिस ने कहा.
“मेरे पास क्रीम, पनीर, खीरे और टमाटर का बना सैंडविच है,”
अलबर्ट ने कहा. “और साथ में अचार है.
और एक पूरा उबला अंडा, और नमक-दानी में नमक.
थरमस में पीने के लिए दूध.

और अंगूरों का एक गुच्छा और एक नारंगी. और कप में कस्टर्ड
और उसे खाने के लिए चम्मच.
तुम क्या लेकर आई हो?”
फ्रैंसिस ने अपना लंच बॉक्स खोला. “ब्रैड और जैम,” उसने कहा,
“और दूध.”
“तुम भाग्यशाली हो,” अलबर्ट ने कहा. “यही तो तुम्हें सबसे अच्छा
लगता है. अब तुम्हें मेरे साथ लंच बदलने की ज़रूरत नहीं.”

“सच है,” फ्रैंसिस ने कहा. “और कल रात मैंने डिनर में ब्रैड और जैम खाया था और आज सुबह नाश्ते में भी.”
“तुम सच में भाग्यशाली हो,” अलबर्ट बोला.
“हाँ,” फ्रैंसिस बोली. “मैं बहुत भाग्यशाली हूँ, मुझे भी ऐसा लगता है. लेकिन अगर तुम चाहते हो तो मैं तुम से अपना लंच बदल सकती हूँ.”
“वह ठीक है,” अलबर्ट बोला.
“मुझे क्रीम, पनीर, खीरे और टमाटर के सैंडविच अच्छे लगते हैं.”
अलबर्ट ने अपने लंच बॉक्स से दो नैपकिन निकाले. एक नैपकिन को अपनी ठोड़ी के नीचे अपने कपड़ों में फंसा लिया और दूसरा एक मेज़पोश की तरह अपने डेस्क पर फैला दिया. फिर उसने अपना लंच उस पर सजा कर रख लिया.
अपने चम्मच से उसने उबले हुए अंडे का छिलका तोड़ा. फिर उसने सारा छिलका उतार लिया और एक तरफ से काट कर खाने लगा.
उसने अंडे की ज़र्दी पर थोड़ा नमक छिड़का और उसे नीचे रख दिया.
उसने अपनी थरमस खोली और ढक्कन को दूध से भर लिया.
अब वह अपना लंच खाने के लिए तैयार था

उसने थोड़ा सा सैंडविच, थोड़ा सा अचार, थोड़ा सा उबला अंडा काट कर खाया और थोड़ा सा दूध पीया.
फिर उसने अंडे पर थोड़ा और नमक छिड़का और एक-एक कर के सब चीज़ें दुबारा खायीं.
अलबर्ट ने सैंडविच, अचार, अंडा खूब मज़े से खाये और दूध पीया.

उसने अँगूरों का गुच्छा और अपनी नारंगी भी खायी.
फिर उसने मोमी-कागज़ और अंडे का छिलका और नारंगी का छिलका हटा दिये.
उसने कस्टर्ड का कप डेस्क पर रखे नैपकिन के बीच में रखा.
उसने अपना चम्मच निकाला और सारा कस्टर्ड खा गया.
फिर अलबर्ट ने नैपकिन लपेट कर हटा दिये.
उसने अपना चम्मच और नमक-दानी भी संभाल कर रख लिए.
उसने थरमस पर उसका ढक्कन फिर से लगा दिया.
उसने अपना लंच बॉक्स बंद कर लिया और उसे अपने डेस्क के अंदर रख लिया और एक गहरी साँस ली.
“मुझे अच्छा लंच खाना पसंद है,” अलबर्ट ने कहा.

फ्रैंसिस ने अपना ब्रैड और जैम खाया और दूध पीया.
फिर वह खेल के मैदान में आ गई और रस्सी पर कूदने लगी.
वह उतनी तेज़ न कूद रही थी जितनी तेज़ वह सुबह कूद रही थी.
वह गाने लगी:
सुबह जैम और दुपहर में जैम,
चन्द्रमा के प्रकाश में ब्रैड और जैम.
बहुत...स्वादिष्ट...है...ब्रैड...और...जैम.

फ्रैंसिस जब स्कूल से वापस घर आई तो माँ ने कहा,
"मैं जानती हूँ कि स्कूल से लौट कर तुम्हें थोड़ा अल्पाहार करना अच्छा लगता है और मैंने पहले ही इसका प्रबंध किया हुआ है."
"अल्पाहार मुझे पसंद है!" फ्रैंसिस बोली और किचन की ओर दौड़ी.
"यह रहा तुम्हारा अल्पाहार," माँ ने कहा. "एक गिलास दूध और बढ़िया ब्रैड और जैम."

"क्या आपको डर नहीं लगता कि अधिक ब्रैड और जैम खाने से मैं बीमार हो जाऊँगी हूँ और मेरे सारे दाँत गिर जायेंगे?" फ्रैंसिस ने पूछा.
"मुझे नहीं लगता कि ऐसा निकट भविष्य में होगा," माँ ने कहा.
"इसलिए इन्हें खाओ और मज़े करो."
फ्रैंसिस ने बहुत सारा ब्रैड और जैम खाया
लेकिन उसने सब समाप्त नहीं किया.
अल्पाहार करने के बाद वह रस्सी कूदने के लिए घर से बाहर चली गई.

फ्रैंसिस उतनी तेज़ न कूद रही थी जितनी तेज़ वह दुपहर में कूद रही थी. वह गाने लगी:

अल्पाहार में जैम और खाने में जैम,
मुझे पता है क्या महसूस करता है जैम का जार...
भरा...हुआ...है...उसमें....जैम.

उस रात माँ ने खाने में स्पैघेटी और मीटबॉल्स और टमाटर का सॉस बनाया था.

“मुझे प्रसन्नता है कि इतना अधिक खाना बना है कि हम दो बार खा सकते हैं,” पिता बोले, “क्योंकि स्पैघेटी और मीटबॉल्स मेरा मनपसंद व्यंजन हैं.”

“स्पैघेटी और मीटबॉल्स तो सबके
मनपसंद व्यंजन हैं,” माँ ने कहा.
“थोड़ी स्पैघेटी खाओ, ग्लोरिया.”
फ्रैंसिस ने अपनी प्लेट को देखा और पाया कि उसमें स्पैघेटी
और मीटबॉल्स नहीं थे. उसमें ब्रैड और जैम का एक जार था.
फ्रैंसिस रोने लगी.

“अरे,” माँ ने कहा, “फ्रैंसिस रो रही है!”
“क्या बात है?” पिता ने पूछा.
फ्रैंसिस ने अपनी प्लेट की ओर देखा और एक छोटा उदास गीत गाया.
उसने इतना धीमे गाया कि माँ और पिता उसका गीत सुन ही न पाये:

मैं जो हूँ
जैम से उकता गई हूँ.

“मुझे स्पैघेटी और मीटबॉल्स चाहिए,” फ्रैंसिस ने कहा.
“क्या मैं खा वह सकती हूँ, प्लीज़.”
“मुझे नहीं पता था कि स्पैघेटी और मीटबॉल्स तुम्हें अच्छे लगते हैं!”
मां ने कहा.

"अगर आप मुझे खाने को न देंगी तो आपको कैसे पता लगेगा कि मुझे क्या पसंद है?" अपनी आँखें पोंछते हुए फ्रैंसिस ने पूछा. तो माँ ने फ्रैंसिस को स्पैघेटी और मीटबॉल्स दिये और वह सब खा गई.

अगले दिन जब लंच पिरीअड की घंटी बजी तो अलबर्ट ने पूछा, "आज क्या लेकर आई हो?"

"आज," फ्रैंसिस ने कहा और उसने डेस्क पर कागज़ का नैपकिन बिछाया और उस पर एक नन्हा फूलदान रखा जिसमें वायलट के फूल थे, "अभी देखती हूँ." उसने नैपकिन पर अपना लंच लगाया.

“मेरी थरमस में टमाटर-क्रीम का सूप है,” उसने कहा. “पतली सफेद ब्रैड से बना झींगा-सलाद का सैंडविच है. और मेरे पास है सैलरी, गाजर और काले जैतून और सैलरी पर छिड़कने के लिए नमक-दानी में नमक. और दो आलूबुखारे, छोटे से डिब्बे में चैरी. और वनीला पुडिंग चॉकलेट के साथ और उसे खाने के लिए एक चम्मच.”

“यह जो बहुत बढ़िया लंच है,” अलबर्ट ने कहा.

“मुझे लगता है कि अलग-अलग प्रकार के लंच और नाश्ते और डिनर और अल्पाहार बहुत स्वादिष्ट होते हैं. मुझे लगता है कि भिन्न-भिन्न व्यंजन खाना बहुत सुखद होता है.”

“मुझे भी ऐसा लगता है,” फ्रैंसिस ने कहा.

और उसने झींगा-सलाद सैंडविच और सैलरी और गाजर और जैतून मज़े से खाये.

देखो! फ्रैंसिस के पास जैम का एक बड़ा जार है.

और ब्रैड का एक स्लाइस.

फ्रैंसिस कहती है कि उसे ब्रैड और जैम बहुत पसंद हैं.

फिर वह क्यों रो रही है?